हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार, 23 दिसंबर 2025

13 अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का रेवाड़ी विभाग अभ्यास वर्ग...

14 18 जनवरी को परिवहन मंत्री आवास अम्बाला...

42 फ्लाईओवर और 5 बाइपास भी इनमें शामिल, सैन्य शक्ति को पाकिस्तान बॉर्डर तक पहुंचने में होगी आसानी

हरियाणा बॉर्डर गोदबलाहा से झुंझुनूं तक नेशनल हाइवे 11 का होगा विस्तार, 78 किलोमीटर फोरलेन सड़क के लिए 2203 करोड़ मंजूर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

पर्यटन क्षेत्र में भी होगा बढ़ावा, राजस्थान से जुड़े उद्योगपति, व्यापारी व आमजन भी दिल्ली व गुरुग्राम तक पहुंच होगी आसान

जिला में हरियाणा बॉर्डर गोदबलाहा तक नेशनल हाइवे 11 फोरलेन बना है। जैसे ही राजस्थान सीमा पचेरी के पास आरम्भ होती है, वहां सिंगल सड़क आ जाती है। अब केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्रालय ने राजस्थान के इस पचेरी क्षेत्र से झुंझुनूं तक नेशनल हाइवे 11 को फोरलेन बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए करीब 2203 करोड़ रुपये का बजट भी स्वीकृत हो गया है। हरियाणा बॉर्डर पर पचेरी से झुंझुनूं तक 78 किलोमीटर दूरी की बनने वाली इस फोरलेन सड़क पर छोटे-बड़े 42 फ्लाईओवर भी बनेंगे। इस सड़क के पूरा होने के बाद सैन्य शक्ति को पाकिस्तान बॉर्डर जैलसमेर तक पहुंचने तक जहां आसानी व कम समय लगेगा। वहीं राजस्थान-हरियाणा से जुड़े व्यापारी, उद्योगपति, किसान व आमजन की राह भी दिल्ली तक राह आसान होगी। पर्यटन क्षेत्र को भी बढ़ावा मिलेगा।

बता दें कि राष्ट्रीय राजमार्ग-11 पहले आगरा से बीकानेर तक ही था, लेकिन नेशनल हाइवे अथॉरिटी की ओर से मार्च 2014 में रेवाड़ी से राजस्थान के फतेहपुर तक करीब 190 किलोमीटर लंबे स्टेट राजमार्ग को फोरलेन करने और नए एनएच-11 का दर्जा देने की घोषणा की गई थी। नई प्रक्रिया के तहत हाइवे बीकानेर से जैलसमेर तक बढ़ा दिया गया। इस मार्ग से रेवाड़ी से जैलसमेर की दूरी करीब 828 किलोमीटर पड़ती थी। लेकिन नए एनएच-11 से यह दूरी घटकर 730 किलोमीटर रह जाएगी। ऐसे में 98 किलोमीटर की दूरी कम होने से समय के साथ आर्थिक मदद फायदा भी होगा। इस हाइवे पर बीकानेर, सीकर, झुंझुनूं और हरियाणा के नारनौल व रेवाड़ी जैसे प्रमुख शहरों का जुड़ाव होगा। यह राजस्थान का सबसे लंबा राजमार्ग भी है। यह मार्ग पाकिस्तान सीमा के पास स्थित होने के कारण सामरिक महत्व का है और पर्यटन के लिए भी प्रसिद्ध है। पाकिस्तान से युद्ध होता है तो सीधे दिल्ली से जैलसमेर जाने के लिए सबसे अहम मार्ग रहेगा।

नारनौल। गोदबलाहा में यहां तक है फोरलेन, इससे आगे झुंझुनूं तक होगा निर्माण। फोटो : हरिभूमि

यह मिलेगा लाभ

जैसलमेर के पास राजस्थान बॉर्डर है। सैन्य शक्ति को यहां समय रहते पहुंचने में यह समड़ मार्ग बेहतर साबित होगा। पर्यटन क्षेत्र की बात करें तो विदेशी पर्यटक दिल्ली से आते है, वह महेंद्रगढ़ जिला में नारनौल शहर के ऐतिहासिक पर्यटन स्थल चोर गुम्बद, जलमहल, ढोसी की पहाड़ी, इब्राहिम खान का मकबरा, चामुंडा देवी मंदिर, नवाब मिर्जा अलीजान की बावड़ी, राय बालमुकुंद दास का छत्ता का दीदार करेंगे, वहीं राजस्थान सीमा शुरू होते ही राजस्थान शेखावटी क्षेत्र के पर्यटन स्थल मंडावा, फतेहपुर-शेखावटी, नवलगढ़, लक्ष्मणगढ़ तक पहुंचने वाले सैलानियों को सहूलियत मिलेगी। यहीं नहीं, नारनौल के पास जो नांगल चौधरी क्षेत्र में करीब 1200 एकड़ जमीन पर मल्टी मॉडल लॉजिस्टक हब विकसित किया जा रहा है, वहां तक पहुंचने के लिए उद्योगपतियों व व्यापारियों के साथ-साथ आमजन की राह आसान होगी। राजस्थान के लोगों के लिए दिल्ली पहुंचने के लिए भी राह सुलभ होगी।

78 किलोमीटर की फोरलेन में यह शामिल

हरियाणा बॉर्डर तक पचेरी से चिड़ावा बाया झुंझुनूं तक 78 किलोमीटर की यह फोरलेन सड़क बनेगी। इस नेशनल हाइवे के निर्माण पर 2203 करोड़ की लागत आएगी। इस प्रोजेक्ट में 42 ब्रिज बनाए जाएंगे। पचेरी से चिड़ावा और चिड़ावा से झुंझुनूं तक इसकी कुल लंबाई 78.18 किलोमीटर रहेगी। इनमें पचेरी कलां, सिंघाना, खुड़ाना, बगड़ व झुंझुनूं बीड़ में फोरलेन बाइपास सड़क निर्माण कार्य होगा। इनकी दूरी करीब 42 किलेमीटर रहेगी। वहीं इस नेशनल हाइवे 11 में रिंग रोड व बाइपास भी बनाए जाएंगे। चिड़ावा में पिलानी सड़क से लाखू तिराहे पर फोरलेन रिंग रोड बनेगा। इसके बाद लाखू तिराहे से ओजटू तिराहे तक भी रिंग रोड का निर्माण होगा। इस प्रोजेक्ट में बाइपास सड़क की 41.66 किलोमीटर लंबाई रहेगी। वहीं 36.52 किलोमीटर दूरी वर्तमान सड़क पर ही बनेगी। नेशनल हाइवे के लिए भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई प्रक्रिया शुरू हो गई है।

खबर संक्षेप

दिव्यांगजन के लिए चिन्हित शिविर आज

नारनौल। जिला रेडक्रॉस समिति के तत्वावधान में एलिम्को के सौजन्य से सोमवार को बीडीपीओ कार्यालय कनीना में दिव्यांगजनों व वरिष्ठ नागरिकजनों के लिए चिन्हित शिविर का आयोजन किया गया। जिला रेडक्रॉस सचिव बलवान सिंह ने बताया कि कनीना खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय में 61 दिव्यांगजन व वरिष्ठ नागरिजनों का नाप तोल किया। इसी कड़ी में 23 दिसंबर को सरकारी अस्पताल महेन्द्रगढ़ में दिव्यांगजन व वरिष्ठ नागरिकजनों के लिए चिन्हित शिविर का आयोजन किया जाएगा।

आईटीआई में रोजगार मेले का आयोजन कल

नारनौल। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में 24 दिसंबर को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इसमें एनिमो प्राइम लिमिटेड कंपनी बावल के प्रतिनिधियों द्वारा आरएसी, डीएमएम व इलेक्ट्रिशियन व्यवसाय के प्रशिक्षित छात्रों का चयन किया जाएगा। संस्थान के प्रधानाचार्य विनोद खनगवाल ने बताया कि कंपनी की ओर से छात्रों का चयन ऑन रोल पदों के लिए किया जाएगा। उन्होंने बताया कि चयनित छात्रों को 19500 रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा। प्लेसमेंट अधिकारी सुदर्शन कुमार ने बताया कि मेले में भाग लेने के इच्छुक छात्र 24 दिसंबर को फॉर्मल ड्रेस में आएं। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के आयोजन छात्रों को रोजगार से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

नसीबपुर में 17 दिसंबर की शाम विक्की डोहर पर किया था जानलेवा हमला

जमीन और एरिया अधिकार वजह, नौ गिरफ्तार, मुख्य आरोपित अभी फरार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

वारदात के पीछे जिस मास्टर माइंड का हाथ है, वह वारदात पर मौजूद नहीं था। पुलिस उसे 120बी में शामिल कर सकती है

नसीबपुर में 17 दिसम्बर की शाम बदमाशों ने विक्की डोहर पर हमला किया था। बताया जा रहा है कि विक्की डोहर को मरा समझकर बदमाश वहां से फरार हो गए थे। वारदात के बाद घायल के चचेरे भाई की शिकायत पर तीन नामजद और 15 के करीब अन्य पर सिटी पुलिस ने केस दर्ज किया। वारदात के बाद सीआईए पुलिस ने भाग दौड़ की तो नौ आरोपितों को पकड़ा। इनमें से दो को पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस सूत्रों की माने तो जमीन व एरिया अधिकार वारदात की वजह रही। पूछताछ में यह भी सामने आया है कि वारदात के पीछे जिस मास्टर माइंड का हाथ है, वह वारदात पर मौजूद नहीं था। पुलिस उसे 120बी में शामिल कर सकती है। हालांकि पूरी तरह मामला पुलिस जांच में ही साफ हो पाएगा। फिलहाल वारदात में शामिल मुख्य दो आरोपितों की पुलिस तलाश में जुटी हुई है।

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित। फोटो : हरिभूमि

गिरफ्तार किए गए अधिकांश के आपराधिक रिकॉर्ड

उपपुलिस अधीक्षक भारत भूषण ने प्रेस वार्ता में बताया कि 17 दिसंबर की शाम नसीबपुर में विक्रांत उर्फ विक्की डोहर पर जानलेवा हमला किया गया था। बदमाशों ने मिलकर युवक पर लोहे की रॉड व डंडों से हमला किया था और उसे मरा हुआ समझकर तथा दहशत फैलाने के उद्देश्य से मौके पर एक मैगजीन छोड़कर बोलेरो कैंपर व मोटरसाइकिलों पर फरार हो गए थे। घायल के चचेरे भाई की शिकायत पर सिटी पुलिस ने तीन नामजद बब्बू खायरा, वाशू पोटिंग खायरा व महेश बाछौद सहित 15 अन्य पर आर्म्स एक्ट की धारा 25, बीएनएस की धारा 109 (1), 111(2) (बी), 117(2), 190, 191(3), 324(4) के तहत केस दर्ज किया था। वारदात में हथियार की मैगजीन व पांच जिन्दा रौन्द भी मिले है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने सीआईए को जांच सौंपी। जिन्होंने तकनीकी सर्विलांस व खुफिया तंत्र का प्रयोग करते हुए कुछ ही समय में वारदात में संलिप्त आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। डीएसपी ने बताया कि पुलिस की गिरफ्त में आए इन नौ आरोपितों में से अधिकांश का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है। गिरफ्तार आरोपितों में महेश वासी बाछोद शामिल है। जिस पर पहले से ही हत्या व आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज हैं। इसके अलावा अजय वासी सिहोर पर हत्या, अपहरण और दंगे भड़काने के कई मामले हैं। पुलिस ने इनके साथ निखिल वासी मोहल्ला रावका, प्रवीन वासी खुड़ाना, कुलदीप वासी सिहोर, रक्षक वासी सिहोर को भी गिरफ्तार किया है। जिन पर लूट, मारपीट व अन्य मामले दर्ज हैं। सीआईए ने संदीप वासी बव्वा रेवाड़ी, सचिन वासी सिहोर व नरेश वासी खुड़ाना को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों को विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किया है। मामले में आरोपित महेश व प्रवीण वारदात को अंजाम देने की प्लानिंग में शामिल थे। मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए पुलिस ने पूछताछ में आरोपितों से वारदात में प्रयोग किए गए डंडे, लोहे की पाइप नलकी, बोलेरो गाड़ी बरामद की है। अभी तक की जांच में सामने आया है कि वारदात में गोली नहीं चली।

चचेरे भाई ने पुलिस को यह दी शिकायत

गांव डोहर कलां वासी नरेंद्र यादव ने सिटी थाना के नाम दी शिकायत में बताया है कि 17 दिसम्बर की शाम करीब साढ़े छह बजे सूचना मिली, ताऊ के लड़के विक्रांत उर्फ विक्की के साथ झगड़ा व मारपीट हो रही है जोकि मौके पर पहुंचा तो वहां पर बब्बू खायरा, वाशू पोटिंग व महेश बाछौद जो अपराधी पर्वती के लड़के है। इनके साथ 14 व 15 अन्य आदमी थे, जिनके खिलाफ लूट, हत्या, फिरौती, हत्या का प्रयास के मुकदमें दर्ज है। इन लोगों ने अपना एक गिरोह बनाया हुआ है। जिसके चलते यह लोग जमीन पर कब्जा, पैसे लेकर मारपीट करना, पैसे लेकर मर्डर करना व करवाना जैसे संगठित अपराध करते है। शिकायतकर्ता ने बताया है कि जब वहां पहुंचा तो यह लोग भाई विक्की को बुरी तरह लोहे की रॉड व डण्डे से मार रहे थे। विक्की पूरी तरह खून से लथपथ था। जब इन्होंने देखा और ये लगा कि इसकी मृत्यु हो चुकी है, जोकि नसीबपुर के कुछ लोगों के वहां एकत्रित हो जाने पर अपने साथ लाइ गाड़ी बोलेरो, कैम्पर व बाइक पर बैठकर भाग गए। नारनौल के निजी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद अच्छे इलाज के लिए जयपुर ले गया। जो बब्बू खायरा, वाशू पोटिंग खायरा व महेश बाछौद अपने साथियों के साथ संगठित होकर भाई विक्की की जान से मारने की नियत से चोटे मारी, जिसके कारण उसका काफी खून बह गया। जिसके चलते अब तक सात यूनिट चढ़ चुकी है लेकिन विक्की को अब तक होश नहीं आया है। होश आने पर भाई विक्की मारपीट करने वालों के बारे में विस्तार से बता देगा।

नारनौल। अरावली बचाने के लिए प्रदर्शन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

अरावली बचाओ रैली निकाली एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

यूथ सोशलग्राम फाउंडेशन के तत्वावधान में अरावली पहाड़ियों के संरक्षण को लेकर जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में युवाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर यूथ सोशलग्राम फाउंडेशन के स्टेट जॉइंट सेक्रेटरी (हरियाणा) चिराग ने अरावली पहाड़ियों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अरावली न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायक है, बल्कि भूजल संरक्षण और जैव विविधता के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अरावली का संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा हुआ है।

रैली के समापन पर संगठन के प्रतिनिधियों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें अरावली क्षेत्र में हो रहे अवैध खनन पर रोक लगाने व पहाड़ियों के संरक्षण हेतु ठोस कदम उठाने की मांग की। इस अभियान में एनिमल वेलफेयर क्लब का भी सराहनीय सहयोग रहा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सुनील यादव, आरती सैनी, अंशु यादव, पूजा, अमृता, प्रियांशु ने अहम भूमिका निभाई।

अवैध रूप से शराब बेचने वालों पर शिकंजा

पुलिस ने जुआ खेलते सात आरोपियों को पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर जुआ खेलने वालों और अवैध रूप से शराब बेचने वालों पर शिकंजा कसा है। सीआईए महेंद्रगढ़ की पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर तत्परता दिखाते हुए गांव ढाढोत में पुराने सरकारी स्कूल के पास रेड की। वहां सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेल रहे सात आरोपितों को काबू किया गया। पकड़े गए आरोपितों की पहचान राजबीर, छाजुराम, रमेश, मंजीत, किशोरी लाल, रविंद्र और सोमबीर के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके से कुल 27,350 रुपये की नकदी व ताश के पत्ते बरामद किए हैं। इस संबंध में आरोपितों के खिलाफ थाना सतनाली में जुआ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई की गई है।

वहीं, थाना सदर कनीना के अंतर्गत पुलिस चौकी दौंगड़ा अहीर की टीम ने गश्त के दौरान मिली गुप्त सूचना पर गांव मुण्डिया खेड़ा में छापेमारी की। पुलिस को सूचना मिली थी कि सुरेन्द्र अवैध शराब बेचने का धंधा करता है। पुलिस ने मौके पर दबिश देकर खाली प्लॉट में छिपाकर रखी गई 13 और हाफ बोतल देसी शराब बरामद की है। आरोपित पुलिस टीम को देखकर मौके से फरार हो गया।

मंडी अटेली। अटेली तहसील परिसर का कच्चा हिस्सा। फोटो : हरिभूमि

अटेली तहसील परिसर में कच्चे रास्ते बने लोगों की परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

अटेली तहसील परिसर में अव्यवस्थाओं के चलते आमजन, स्टांप वेंडरों व डीड राइटरों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। तहसील परिसर का अधिकांश हिस्सा अभी तक कच्चा होने के कारण बरसात के दिनों में यहां पानी भर जाता है, जिससे रजिस्ट्री करवाने, प्रमाण पत्र बनवाने व अन्य राजस्व कार्यों के लिए आने वाले लोगों को काफी दिक्कत होती है। पानी भरने से फिसलन की स्थिति बन जाती है और लोगों के कपड़े व जूते खराब हो जाते हैं। वहीं गर्मियों के मौसम में कच्ची जमीन से उड़ने वाली धूल-मिट्टी तहसील परिसर में काम करने वाले स्टांप वेंडरों, डीड राइटरों तथा आम नागरिकों के लिए बड़ी समस्या बन जाती है। धूल के कारण लोगों को आंखों व सांस संबंधी परेशानियां होती हैं और दस्तावेजों को भी नुकसान पहुंचता है। तहसील परिसर में रजिस्ट्री कार्यालय के पास जहां फोटो खींचे जाने की व्यवस्था है, वह स्थान भी कच्चा होने के कारण बरसात में जलभराव की चपेट में आ जाता है।

डीड राइटर दिनेश कुमार शर्मा उर्फ पालाराम ने बताया कि तहसील परिसर के एक हिस्से में टाइल लगाकर पक्का किया गया है, जिससे वहां लोगों को राहत मिल रही है।

मरीज की मौत के बाद परिजनों का अस्पताल में हंगामा

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

शहर के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए परिजनों ने जमकर हंगामा किया। मामला शहर के राव तुलाराम चौक स्थित अरविंद हार्ट अस्पताल का है।

परिजनों के अनुसार गांव खातोदड़ा निवासी 47 वर्षीय धर्मेंद्र पुत्र राजबीर को चार दिन पहले हार्ट संबंधी समस्या के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल प्रबंधन ने परिजनों को बताया था कि मरीज को हार्ट की बीमारी है और एंजियो थेरेपी के तहत छल्ला (स्टेंट) डाला जाएगा। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल ने इलाज से पहले मोटी रकम ली, लेकिन स्टेंट डालने से संबंधित कोई स्पष्ट जानकारी या रिपोर्ट उन्हें नहीं दी गई। परिजनों का कहना है कि स्टेंट डालने के दो दिन बाद ही मरीज की अचानक तबीयत बिगड़ गई। जब वे मरीज को अस्पताल लेकर पहुंचे तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में कोई स्थाई विशेषज्ञ डॉक्टर मौजूद नहीं थे और बाहर से बुलाए गए डॉक्टरों ने लापरवाहीपूर्वक इलाज किया, जिसकी वजह से मरीज की जान चली गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। परिजनों की ओर से पुलिस को अस्पताल के खिलाफ लिखित शिकायत दी गई है। वहीं निजी अस्पताल की ओर से भी पुलिस को शिकायत सौंपी गई है।

क्या कहते है डॉक्टर

इस बारे में अस्पताल के डॉ. दीपक वत्स ने बताया कि उनकी ओर से इलाज सही किया गया था। मृतक के परिजन गलत आरोप लगा रहे हैं।

जिले पर कड़ाके की ठिठुरन भरी ठंड का डबल अटैक, तापमान सामन्य से नीचे दर्ज

तापमान में गिरावट जारी, कोहरे से जनजीवन प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा एनसीआर दिल्ली में ठंड के रंग रूप देखने को मिल रहा है। सुबह से ही धुंध व कोहरा की परत सम्पूर्ण इलाके को अपने आगोश में ले लेती है। जिसकी वजह से रात्रि तापमान में हल्की बढ़त, जबकि दिन के तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है।

पश्चिमी मौसम प्रणाली से दक्षिणी पूर्वी नमी वाली हवाओं से वातावरण में नमी व आद्रता की बढ़ोतरी से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में रात्रि से ही धुंध कोहरा बनने लगता है और सुबह होते होते सम्पूर्ण इलाके को अपने आगोश में समा लेता है। जिसकी वजह से सम्पूर्ण इलाके में जनजीवन अस्त-व्यस्त देखने को मिल रहा है। धुंध व कोहरा की वजह से दृश्यता घटकर मात्र 0-50 मीटर के बीच तक दर्ज हुई। जिसके चलते यातायात के साधन रेंगने को मजबूर हो गए।

नारनौल। क्षेत्र में पड़ रहा कोहरा। फोटो : हरिभूमि

वहीं सम्पूर्ण इलाके में दिन के तापमान में गिरावट जारी है और कुछ स्थानों पर शीतदिवस की स्थिति देखने को मिल रही है। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में सबसे कम रात्रि तापमान नारनौल 6.0 डिग्री सेल्सियस व भिवानी का रात्रि तापमान 7.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। आगाती दो तीन दिनों के दौरान हरियाणा एनसीआर दिल्ली में सुबह के दौरान अगर हवाएं शांत बनी रही तो धुंध व कोहरा की सघन परत देखने को मिलेगी।

साथ ही उत्तरी जिलों में आंशिक बादलवाही जारी रहेगी। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम आमतौर पर शुष्क व परिवर्तनशील बना रहेगा। इसके 29 दिसंबर को पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से मौसम में बदलाव व तापमान में उतार चढ़ाव देखने को मिलेगा।

क्या कहते है मौसम विशेषज्ञ

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्रमोहन ने बताया कि भारतीय मौसम विभाग ने हरियाणा के सात जिलों पंचकूला, अंबाला, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर, कैथल, सोनीपत, पानीपत पर ऑरेंज अलर्ट तथा शेष 15 जिलों पर येलो अलर्ट जारी कर दिया है। जिला महेंद्रगढ़ पर कड़ाके की ठिठुरन भरी ठंड का डबल अटैक देखने को मिल रहा है। सुबह के तापमान सामान्य से नीचे बने हुए। वहीं ठंड व सघन धुंध कोहरे के वजह से आमजन को कड़ाके की ठंड से रूबरू होना पड़ रहा है। जिले में नारनौल व महेंद्रगढ़ का दिन तथा रात का तापमान क्रमशः 16.5, 6.0 डिग्री सेल्सियस व 20.2, 9.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जिले में दिन व रात के तापमान सामान्य से नीचे बने हुए हैं।

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित haribhoomi.com

हरिभूमि

रोहतक, मंगलवार
23 दिसंबर 2025

क्रिसमस स्पेशल

सहेली

आज समाज, परिवार में प्रेम-करुणा के भाव लुप्त हो रहे हैं, लोग दुख-संताप का जीवन जी रहे हैं, ऐसे में प्रभु यीशु के संदेश बहुत मायने रखते हैं। उन्होंने सभी को एक-दूसरे से प्रेम करने का संदेश दिया ताकि समाज में मानवीय भाव बना रहे। क्रिसमस, यीशु के जन्मोत्सव और उनके दिव्य संदेशों को आत्मसात करने का ही पर्व है।

प्रभु ईसा मसीह का संदेश
बना रहे प्रेम-करुणा का भाव

आवरण कथा

डॉ. मोनिका शर्मा

सबका भला चाहने की सरोकारी सोच ही सच्ची संवेदनाओं को पोसती है। क्रिसमस का पर्व ईसा मसीह के ऐसे ही भावपूर्ण संदेशों की याद दिलाता है। यह त्योहार अपनों से लेकर आस-पड़ोस तक, हर जगह करुणा, प्रेम और सकारात्मक जीवन जीने की राह दिखाता है। बिखरते परिवारों और उलझाऊ होती सामाजिक जिंदगी के इस दौर में साथ, संवेदनाएं और सहानुभूति के इमोशंस हर जगह जरूरी हैं। इन भावनाओं का आधार ना केवल बेहतर ढंग से जीने की बुनियाद बनता है बल्कि जीवन की सार्थकता भी समझाता है। यही वजह है कि प्रभु यीशु के विचार, भाव और सुझाव सबके जीवन को सहज बनाने का मार्ग दिखाते हैं।

सेवा-सम्मान की सोच

हमारी सामाजिक-पारिवारिक व्यवस्था आपसी समझ और एक-दूजे की सेवा-सहायता के बिना नहीं चल सकती। ना ही सम्मानजनक परिवेश बनाए बिना स्थितियां सहज रह सकती हैं। ऐसे में प्रभु यीशु के विचार सदा प्रासंगिक हैं। खासकर सेवा और सम्मान का आधार बनाने वाला दया का भाव, उनकी दी हर सीख में शामिल है। करुणा का यह भाव ही इंसानों को सेवाभावी बनाता है। अपनों ही नहीं, परायों की भी पीड़ा समझने और उसे दूर करने में मदद करने की संवेदनाएं जगाता है। प्रभु यीशु का संदेश 'भला उस आदमी का क्या लाभ, यदि वह पूरी दुनिया पा जाए और अपनी आत्मा को खो दे।' सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। खुद को सहेजते हुए आगे बढ़ना, स्वयं से जुड़कर दूसरों का साथ पाना और खुद की संभाल करते हुए सबका संबल बनना ही तो मानवीय सोच का सबसे सुंदर पहलू है। यही सोच परिवार से लेकर समाज तक, हर जगह सेवाभाव को बढ़ावा देती है। इसी विचार से अपने देश के नागरिकों के साथ अपनेपन भरे जुड़ाव को बल मिलता है। असल में देखा जाए तो सेवाभाव हमें प्रकृति के हर जीव से जोड़ता है। मदद का मानस हो तो हर इंसान छोटी-छोटी सहायता के रूप में कुछ ना कुछ करने की राह निकाल ही लेता है। दूसरों की सेवा करते हुए इंसान स्वयं अपने आप को भी संवार रहा होता है। सच्ची करुणा के साथ किया गया हर काम और बोला गया हर शब्द सहज रूप से हमारे मन-जीवन में भी सकारात्मकता को पोसता है। प्रभु यीशु ने भी सदा गरीब और कमजोर लोगों के लिए करुणा और सहायता का भाव रखा। हम सभी को ईसा मसीह की इस सीख को याद रखना चाहिए, जीवन में अपनाना चाहिए।

न्यायसंगत व्यवस्था का समर्थन

ईसा मसीह मानवीय मूल्यों को सहेजने के पक्षधर थे। उनकी शिक्षाओं में सभी के लिए न्यायसंगत व्यवस्था बनाने को अहमियत दी गई है। इसके लिए उन्होंने सभी को नैतिक रूप से सबल बनने की सीख दी। असल में नैतिक व्यवहार ही जिंदगी के हर मोर्चे पर न्याय की स्थापना कर सकता है। नैतिकता का भाव सिखाता है कि स्वार्थ साधने के बजाय दूसरों की तकलीफों को समझा जाए। हर हाल में किसी के लिए मदद का हाथ आगे बढ़ाया जाए। यीशु का यह भी कहना था कि 'जैसा व्यवहार तुम लोगों से चाहते हो वैसा व्यवहार उनसे करो।' यह विचार सचमुच महत्वपूर्ण है। किसी एक व्यक्ति का अच्छा व्यवहार किसी दूसरे इंसान के नकारात्मक व्यवहार को भी बदलने की ताकत रखता है। यही पॉजिटिविटी रिश्तों को भी साधने का काम करती है। इसीलिए स्वयं अपने बर्ताव के नेगेटिव रुख को समझना भी आवश्यक है। यीशु का यही कहना है कि यह सकारात्मक बदलाव खुद हमारी ओर से हो। यानी, जैसा व्यवहार हम औरों से चाहते हैं, वैसा ही व्यवहार हम खुद भी दूसरों के लिए अपनाएं।

आत्मीयता भरा जुड़ाव

प्रभु यीशु मन से इंसानी भावों को पोसने का संदेश देते हैं। जीवन को सरल बनाने वाले उनके विचार आज के समय में और जरूरी हो चले हैं। हर ओर दिखती स्वार्थपरक सोच और फरेब के खेल में निश्छलता कहीं खो गई है। अपनों के साथ भी जालसाजी की घटनाएं हो रही हैं। सगे-संबंधियों में भी आत्मीयता नहीं बची है। आस-पड़ोस का मेलजोल छीजता दिखता है। कहीं जान-बूझकर तो कहीं अनजाने में दूसरों को पीड़ा पहुंचाई जा रही है। जबकि ईसा मसीह का संदेश 'तुम्हें अपने पड़ोसी से भी स्वयं जैसा ही प्रेम करना चाहिए।' आज की बिखरती सामाजिक व्यवस्था में यह बहुत आवश्यक सूत्र सा लगता है। आस-पड़ोस के लोगों से प्रेम करना हमें एक-दूजे के सुख-दुःख में भागीदार बनाता है। साथ और सुरक्षा का भरोसा जगाता है। जाने-अनजाने कोई भूल हो जाने पर उसे सुधारने का भाव इस आपसी विश्वास को और पुख्ता बना सकता है। यीशु ने भी गलती हो जाने पर पश्चाताप करने का मार्ग सुझाया है। उनका कहना था 'जो गलत हुआ है, उसे स्वीकारें और फिर गलत से हमेशा के लिए दूर रहें।' यह स्वीकार्यता और सकारात्मक सोच ही हमारे मन में प्रेम भाव को कायम रख सकती है।

क्रिसमस के लिए होम डेकोर आइडियाज

अगर आप क्रिसमस पार्टी प्लान कर रही हैं तो जरूर चाहेंगी कि इस मौके पर आपके घर के डेकोरेशन में भी इस फेस्टिवल की फील आए। हम आपको कुछ ऐसे ईजी और यूनीक आइडियाज बता रहे हैं, जिनसे आपका होम डेकोर हो जाएगा, क्रिसमस पार्टी के लिए रेडी।

डेकोरेशन

निकिता चौहान

हर फेस्टिवल के हिसाब से घर को सजाना एक आर्ट होता है। जरूरी नहीं कि इसके लिए काफी पैसे खर्च किए जाएं, कुछ आइडियाज से आप अपने घर को क्रिसमस पार्टी के लिए डेकोरेट कर सकती हैं।

फेयरी लाइट्स लगाएं: घर में क्रिसमस का फील लाने के लिए सबसे पहले आप अच्छी लाइटिंग करें। क्रिसमस डेकोरेशन को ब्राइट टच देने के लिए आप फेयरी लाइटिंग करवा सकती हैं। इसे आप अपने घर के लिविंग रूम, ड्राइंग रूम और बेडरूम हर जगह लगा सकती हैं। फेयरी लाइट्स में आपको मार्केट में कई तरीके के स्टाइल्स और डिजाइंस मिल जाएंगे। लेकिन क्रिसमस के मौके के अनुसार आप स्टार्स वाली लाइटिंग लगवाएं तो ज्यादा सुटेबल रहेगा।

क्रिसमस ट्री: क्रिसमस ट्री के बिना क्रिसमस डेकोरेशन पूरा नहीं हो सकता है। इसलिए आप घर के किसी एक कोने में क्रिसमस ट्री को सजा सकती हैं। सबसे अच्छा तो यह होगा कि इसे आप पार्टी वाले हॉल या टेरेस में एक कोने पर रखें। इस क्रिसमस ट्री को डिजाइनर लाइट्स के अलावा ब्राइट बॉल्स, डॉल्स, स्टार्स, ब्राइट पेपर, स्ट्रिप्स जैसी डिफरेंट डेकोरेटिव चीजों से डेकोरेट कर सकती हैं। इससे यह और भी अट्रैक्टिव लगेगा। क्रिसमस ट्री, आपके क्रिसमस डेकोरेशन का सेंटर ऑफ अट्रैक्शन बन सकता है।

सॉक्स को हैंग करें: क्रिसमस के मौके पर डेकोरेशन में सॉक्स को लटकाया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि क्रिसमस के दिन अगर सॉक्स के अंदर अपनी विश लिखकर लटका दी जाए तो सांता क्लॉज इन्हें देखकर आपकी विश जरूर पूरा करते हैं। ऐसे में आप अपने होम डेकोर में रेड कलर के सांता क्लॉज वाली सॉक्स लटका सकती हैं। आपको सांता क्लॉज वाले रेड कोजी सॉक्स आसानी से बाजार में मिल जाएंगे। आप इसे घर की सीढ़िया की दीवार पर या बालकनी के बैकग्राउंड स्पेस में कहीं भी लगा सकती हैं।

पिलो-कुशन कवर: क्रिसमस डे के लिए घर को डेकोरेट करते समय आप क्रिसमस इंस्पायार्ड पिलो कवर और कुशन कवर्स का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। क्रिसमस थीम वाले कवर चुनना सबसे सही रहेगा, जैसे कि लाल और सफेद रंग में बने बारहसिंगे की प्रिंटिंग वाले या देवदार के शंकु आदि के चित्र वाले कवर पिलो और कुशन पर लगा सकती हैं। इनसे आपके घर को कंप्लीट क्रिसमस लुक मिलेगा।

थीम बेस्ड कैंडल: क्रिसमस के मौके पर कैंडल डेकोरेशन का भी काफी ट्रेंड है। होम डेकोर के लिए आप क्रिसमस थीम बेस्ड कैंडल ले सकती हैं। ये आपको आसानी से ओपेन मार्केट और ऑनलाइन मिल जाएंगी। आप इन्हें डाइनिंग टेबल, बेडरूम, लिविंग रूम और स्पेशली पार्टी हॉल में अरेंज कर सकती हैं।

इन कलर्स का ध्यान रखें: क्रिसमस डेकोरेशन करते समय कलर्स का चयन खूब सोचकर करना चाहिए। जब भी आप घर को सजाएं तो लाल, सफेद और हरे रंग के कलर का इस्तेमाल जरूर करें। इन कलर्स की डेकोरेशन की बड़ी चीजें ही नहीं छोटी चीजों में भी इन्हीं कलर का इस्तेमाल करने से आपका डेकोरेशन आसानी से क्रिसमस के लिए परफेक्ट हो जाएगा।

इस तरह आपका घर क्रिसमस पार्टी के लिए हो जाएगा पूरी तरह डेकोरेट।

बच्चे और आप

नम्रता नदीम

दादा-दादी को बच्चों का साथ सुहाता तो है ही, बच्चों को भी उनका साथ खूब भाता है। बच्चों को उनका एक भावनात्मक संबल मिलता है, दादा-दादी का भी उनके साथ बहुत अच्छा समय बीतता है। साथ ही बच्चों को अपने दादा-दादी से अच्छी शिक्षा मिलती है, वे संस्कारवान बनते हैं।

दादा-दादी और बच्चे खूब भाता है एक-दूसरे का साथ

पंद्रह साल का विशाल अपने दादा-दादी के साथ बहुत खुश रहता है। जब उसे हॉस्टल भेजा जाने लगा तो उसने अपने मम्मी-पापा से साफ कह दिया कि वह दादा-दादी के बिना हॉस्टल नहीं जाएगा, क्योंकि हॉस्टल में उसे दादा-दादी की बहुत ज्यादा याद आएगी। अंततः हारकर विशाल के मम्मी-पापा ने उसे घर में रहकर पढ़ाना तय किया ताकि वह अपने दादा-दादी के साथ रह सके। इसी तरह एक और उदाहरण, रिटायर्ड सरकारी कर्मचारी रघुवीर कुमार का अपनी पोती से बहुत ही भावनात्मक रिश्ता है। वह कहते हैं, 'जब मैं एक-दो महीने उसके पास रहकर आता हूं, तो लौटने के बाद मुझे अपनी पोती की बहुत याद आती है। बार-बार यही मन होता है कि फिर से उसके पास चला जाऊं।' यही वजह है रघुवीर दो-तीन दिन में अपनी पोती से फोन पर जरूर बात करते हैं। अगर कभी वह फोन नहीं कर पाते तो उनकी पोती का ही फोन आ जाता है।

दादा-दादी से बच्चों का गहरा भावनात्मक रिश्ता: ऊपर दिए दोनों उदाहरण इस बात की पुष्टि करते हैं कि हमारा घर-परिवार दादा-दादी के बिना कभी भावनात्मक रूप से पूर्ण नहीं होता, क्योंकि उनकी कमी हमेशा खटकती है। लेकिन जॉब की मजबूरियों के चलते हाल के दशकों में संयुक्त परिवार बहुत तेजी से विघटित हुए हैं। दादी-दादा को अपने बेटों के परिवार से दूर रहना पड़ता है। इस अलगाव के बावजूद दादा-दादियों और पोते-पोतियों के बीच लगाव बना रहता है। यही वजह है कि अकसर बच्चे अपने दादा-दादी से मिलने की इच्छा रखते हैं। साठ वर्षीया रामकुमारी भावुक स्वर में कहती हैं, 'भले ही मेरे बेटे और पोता-पोती मुझसे दूर रहते हैं, लेकिन दूरी से मेरी ममता में कोई कमी नहीं आई है बल्कि यह बढ़ गई है। मुझे जब भी मौका मिलता है, मैं अपने पोते और पोती को देखने चली जाती हूं। वे दोनों मुझे पाकर बहुत खुश होते हैं। जिन दिनों मैं उनके साथ रहती हूं, उन दिनों वे अपनी मम्मी-पापा से कहीं ज्यादा मेरे साथ समय बिताते हैं। इससे मेरा पूरा दिन कैसे कट जाता है, पता ही नहीं चलता।' जिन घरों में बच्चे, दादा-दादी के साथ रहते हैं, वहां ज्यादातर दादा-दादी बच्चों पर पूरा ध्यान रखते हैं। दिनभर बच्चों के साथ रहना, उन्हें कहानियां सुनाना, उन्हें बाजार ले जाना जैसे तमाम काम वे बच्चों के साथ मिल-जुलकर करते हैं। दादी-दादा बच्चों के साथ एकदम बच्चे बन जाते हैं। वे उनके साथ घुल-मिलकर खेलते हैं। इससे दोनों के बीच में भावनात्मक लगाव बढ़ता है। कुछ दादा-दादी बच्चों के खेलने-कूदने के साथ ही उन्हें अच्छे उपहार भी देते हैं। इससे उन्हें खुशी मिलती है और बच्चे भी बहुत खुश होते हैं।

बुजुर्ग हैं बच्चों के भावनात्मक संबल: बारह साल की अनुष्का के दादा-दादी नहीं हैं। उसे अपने नाना-नानी से बेहद प्यार है। उसकी नानी कुछ दिन आकर जब उनके साथ रहती हैं, तो उसे उन दिनों बहुत अच्छा लगता है। क्योंकि नानी उस पर अपना पूरा प्यार बरसाती हैं। उसे कई उपहार भी देती हैं। अनुष्का को दादा-दादी के बारे में ज्यादा कुछ याद नहीं है, लेकिन उसकी नानी से उसका गहरा लगाव है। आठ साल की मानसी की तो जान ही अपने दादा-दादी में बसती है। उसके दादा उसके साथ हर खेल खेलते हैं। वे उसे पढ़ाते हैं। आजकल वर्किंग कपल्स के पास इतना समय कहां होता है कि वे अपने बच्चों को ज्यादा समय दे सकें, उनके साथ भरपूर समय बिता सकें। ऐसे में बच्चों के लिए दादा-दादी उनके लिए एक बड़ा भावनात्मक संबल होते हैं।

मेकअप

सरिता गुप्ता

फॉलो करें ये मेकअप स्टेप्स मिलेगा ग्लैमरस पार्टी लुक

जब मौका हो क्रिसमस पार्टी में शामिल होने का तो आप जरूर चाहेंगी कि आपका मेकअप लुक भी ग्लैमरस नजर आए। यहां आपको पार्टी स्पेशल मेकअप स्टेप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें फॉलो करके आप मिनटों में ग्लैमरस पार्टी लुक पा सकती हैं।

स्किन को तैयार करें: सबसे पहले हल्के फेसवॉश से चेहरा साफ करें, ताकि सारी धूल और ऑयल हट जाए। इसके बाद टोनर लगाकर स्किन को रीफ्रेश करें। अब मॉयश्चराइजर लगाएं, जिससे स्किन में नमी बनी रहे। अगर आपकी स्किन ड्राय है, तो हाइड्रेटिंग सीरम का उपयोग करें। वहीं ऑयली स्किन के लिए जैल-बेस्ड मॉयश्चराइजर सही माना जाता है। इसके बाद प्राइमर लगाएं, ताकि आपके मेकअप का बेस स्मूद बने और स्किन पोर्स कम दिखें।

फाउंडेशन-कंसीलर: बेस मेकअप बिल्कुल नेचुरल और फ्लॉलेस होना चाहिए। अपनी स्किन टोन से मैच करता हुआ फाउंडेशन लें और स्पंज या ब्रश से अच्छी तरह इसे ब्लेंड करें। कंसीलर का इस्तेमाल आंखों के नीचे के डार्क सर्कल, पिंपल स्पॉट और पिगमेंटेशन पर करें। इसे हल्के से टैप करें। जरूरत हो तो लोअर फेस पर थोड़ा कॉन्टूरिंग कर सकती हैं। इससे चेहरा डिफाइंड-शार्प दिखता है।

आई मेकअप: आई मेकअप को थोड़ा बोल्ड और फेस्टिव स्टाइल में करें। गोल्ड, कॉपर, रेड या ग्रीन शेड्स क्रिसमस थीम के लिए परफेक्ट रहते हैं। सबसे पहले न्यूट्रल ब्राउन शेड से क्रीज पर हल्का बेस बनाएं। अब पलक पर गोल्ड या शिमरी रेड आईशैडो लगाएं। बाहरी कोने (आउटर कॉर्नर) पर डार्क ब्राउन या ब्लैक से डीप स्मोकी इफेक्ट दें। ताकि आंखें बड़ी और खूबसूरत दिखें। ग्लिटर लाइनर भी यूज कर सकती हैं।

ब्लश-हाईलाइटर: ब्लश आपके चेहरे में ताजगी और रंगत जोड़ता है। क्रिसमस पार्टी के लिए पिंक या पीच टोन का ब्लश लगाएं। इसे चीक बोंस पर हल्के हाथ से अपवर्ड डायरेक्शन में अप्लाई करें। इसके बाद हाईलाइटर का इस्तेमाल करें। नाक की टिप, चीकबोन और क्यूपिड बो पर हल्का हाईलाइटर लगाने से चेहरा ग्लो करता है।

लिपस्टिक: क्रिसमस लुक में रेड लिपस्टिक क्लासिक ऑप्शन है। अगर आप बोल्ड लिप्स पसंद करती हैं, तो रेड, मैरून या बेरी टोन चुनें। यदि आपका आई मेकअप पहले से ही बोल्ड है, तो लिप्स पर सॉफ्ट पिंक या न्यूड शेड भी बहुत खूबसूरत लगेगा।

सेटिंग स्प्रे: सारा मेकअप करने के बाद सेटिंग स्प्रे लगा लें। यह आपके मेकअप को लंबे समय तक स्मज होने से बचाता है और आपको देता है फ्रेश, ग्लैमरस पार्टी लुक।

(मेकअप आर्टिस्ट आरती सिन्हा से बातचीत पर आधारित)

कई बच्चों को हो रही मायोपिया की समस्या

अनेक वजहों से आजकल कई बच्चे मायोपिया (कमजोर नजर) की समस्या से ग्रस्त होने लगे हैं। इसकी वजहों और लक्षणों के साथ इससे बचने के तरीके के बारे में भी यहां डिटेल में बता रहे हैं।

प्रिकॉशन

निकिता

चालीस-पचास की उम्र के बाद नजर कमजोर होना सामान्य है लेकिन चिंता की बात है कि आजकल अनेक बच्चे भी कमजोर नजर की समस्या से ग्रस्त हो रहे हैं। बच्चों में होने वाली आंखों से जुड़ी समस्या मायोपिया में वह पास की वस्तुएं साफ देख पाता है, लेकिन दूर की चीजें धुंधली दिखाई देती हैं। समय पर ध्यान न देने से यह समस्या और बढ़ सकती है और आगे चलकर बच्चे की पढ़ाई, खेल-कूद और उसके व्यक्तित्व को भी प्रभावित कर सकती है।

मायोपिया के कारण: बच्चों में मायोपिया होने के कई कारण हो सकते हैं।

लंबे समय तक स्क्रीन देखना: मोबाइल, टीवी और कंप्यूटर का अत्यधिक उपयोग आंखों पर दबाव डालता है।

पढ़ाई या नजदीकी काम में ज्यादा समय: लगातार किताब पढ़ना या लिखना भी मायोपिया को बढ़ावा देता है।

प्राकृतिक रोशनी की कमी: बच्चों का पर्याप्त समय धूप में न बिताना आंखों की सेहत पर असर डालता है।

आनुवांशिक कारण: अगर माता-पिता की नजर कमजोर है तो बच्चों में मायोपिया होने की आशंका अधिक रहती है।

मायोपिया के लक्षण: अगर आपके बच्चे को मायोपिया है तो उसे आप इन लक्षणों से पहचान सकती हैं।

- दूर की वस्तुएं धुंधली दिखना।
- टीवी या क्लास में ब्लैक बोर्ड पर लिखे हुए शब्दों को देखने में परेशानी होना।
- बार-बार आंखें मिचमिचाना।
- कुछ भी पढ़ते समय या लिखते समय सिरदर्द होना।
- किताब को बहुत पास से पढ़ना।

बचाव के उपाय: अपने बच्चे को मायोपिया से बचाने के लिए आप कुछ सुझावों पर अमल कर सकती हैं।

स्क्रीन टाइम नियंत्रित करें: छोटे बच्चों को टीवी देखने और मोबाइल चलाने का समय सीमित रखें।

बच्चों को बाहर खेलने दें: रोजाना कम से कम 1-2 घंटे प्राकृतिक रोशनी में बच्चे को समय बिताना जरूरी है।

सही दूरी से पढ़ाई: किताब और आंखों के बीच 30-40 सेमी. की दूरी बनाए रखें।

संतुलित आहार: हरी सब्जियां, फल, विटामिन और ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर डाइट आंखों की सेहत के लिए लाभकारी है।

नियमित नेत्र परीक्षण: समय-समय पर आंखों की जांच करवाना चाहिए, ताकि शुरुआती अवस्था में समस्या पकड़ में आ सके।

ना बरतें लापरवाही: आज के दौर में बच्चो में मायोपिया एक आम स्वास्थ्य समस्या बनती जा रही है। लेकिन सही जीवनशैली और समय पर जांच से इसे नियंत्रित किया जा सकता है। पैरेंट्स को चाहिए कि वे अपने बच्चों की आंखों की देखभाल में लापरवाही न बरतें और कोई भी लक्षण नजर आने पर तुरंत नेत्र विशेषज्ञ से सलाह लें।

(फोर्टिस हॉस्पिटल, शालीमार बाग, दिल्ली के सीनियर डायरेक्टर, यूनिट हेड-पीडियाट्रिक्स डॉ. विवेक जैन से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

बीआर स्कूल में हुई गणित क्विज प्रतियोगिता

महेंद्रगढ़। राष्ट्रीय गणित दिवस पर सेहलंग स्थित बीआर आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विद्यार्थियों में गणित के प्रति रुचि विकसित करने के उद्देश्य से गणित क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। शुरुआत विद्यालय चेयरमैन हरिश भारद्वाज एवं प्रधानाचार्या ज्योति भारद्वाज द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की गई। विद्यालय में आयोजित गणित क्विज प्रतियोगिता को दो विंगों में विभाजित किया गया।

मॉडर्न स्कूल में गणित प्रश्नोत्तरी स्पर्धा आयोजित

महेंद्रगढ़। महान गणितज्ञय श्रीनिवास रामानुजन के जन्मदिवस पर सोमवार को मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल में गणित प्रश्नोतरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन प्राचार्य प्रदीप कुमार तंवर की देखरेख में हुआ। प्रतियोगिता का आयोजन पांच राउंड में किया गया।

एमआर स्कूल मित्रपुरा में मनाया मैथ्स डे

नारनौल। एमआर पब्लिक स्कूल मित्रपुरा में सोमवार को महान गणितज्ञ श्री निवास रामानुजन के जन्म दिवस के अवसर पर नेशनल मैथ्स डे मनाया गया। इस अवसर पर मैथ्स क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सुभाष, टैगोर, अम्बेडकर व राधा कृष्ण हाउस के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में गणित से जुड़े प्रश्न छह राउंड में पूछे गए। अंतिम राउंड में प्रतियोगिता का फैसला हुआ।

आरडीग्रीन ग्रीनफील्ड स्कूल में हुआ कार्यक्रम

महेंद्रगढ़। बूंदेबाज नगर स्थित गुरुकुलम आरडीग्रीन ग्रीनफील्ड पब्लिक स्कूल में पीटीएम, साइंस एग्जीबिशन एवं बच्चों के द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें स्कूल के सभी बच्चों ने भाग लिया। अभिभावकों ने भी अपना कीमती समय निकालकर बच्चों का हौसला बढ़ाया। सबसे आकर्षण का केंद्र बच्चों के द्वारा विभिन्न प्रकार के लगाए गए स्टॉल रहे।

यदुवंशी स्कूल में राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया

महेंद्रगढ़। यदुवंशी स्कूल में राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया गया। चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय गणित दिवस महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की स्मृति में मनाया जाता है। गणित केवल परीक्षा पास करने का विषय नहीं है, बल्कि यह तार्किक सोच, समस्या समाधान सिखाता है।

डीएवी स्कूल में राष्ट्रीय गणित दिवस आयोजित

नारनौल। एमएलएस डीएवी पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया गया। यह दिन महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर गणित पर आधारित विभिन्न शैक्षिक व सांस्कृतिक गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर कक्षा नौवीं व 10वीं, 11वीं व 12वीं के विद्यार्थियों के बीच प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया।

गुरु तेग बहादुर के जीवन व सिद्धांतों पर विचार प्रस्तुत किए

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का रेवाड़ी विभाग अभ्यास वर्ग संपन्न

अभ्यास वर्ग का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं प्रस्तावना सत्र के साथ हुआ

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद रेवाड़ी का विभाग अभ्यास वर्ग महेंद्रगढ़ जिले के राव जयराम डिग्री कॉलेज बेरी में 20 से 21 दिसंबर तक सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह अभ्यास वर्ग 20 दिसंबर को अपराह्न तीन बजे प्रारंभ होकर 21 दिसंबर को शाम चार बजे तक चला। अभ्यास वर्ग का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं प्रस्तावना सत्र के साथ हुआ। विभाग प्रमुख डॉ. दिनेश शर्मा, विभाग संयोजक युधिष्ठिर धनकर एवं प्रांत उपाध्यक्ष विनय अहलावत विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रारंभिक सत्र में अभ्यास वर्ग के सुचारु संचालन के लिए गठित संचालन समिति का परिचय कराया गया। संचालन समिति प्रमुख डॉ. अविनाश यादव (जिला प्रमुख, एबीवीपी महेंद्रगढ़) रहे, जिन्होंने अपने नेतृत्व में पूरे वर्ग को समयबद्ध एवं अनुशासित रूप से संचालित किया। इसके पश्चात डॉ. विनय कुमार ने सत्र लेते हुए बताया कि किस प्रकार अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अपनी स्थापना काल से ही राष्ट्र और समाज के हित में निरंतर कार्यरत रही है। इसके बाद विभिन्न व्यावहारिक सत्र आयोजित किए गए। अगली सुबह चिंतन सत्र का आयोजन हुआ, जिसमें जिला संयोजक कमल रोहिल्ला ने गुरु तेग बहादुर के जीवन, उनके सिद्धांतों और धर्म की रक्षा के लिए दिए गए बलिदान पर विस्तार से विचार प्रस्तुत किए।

गतिविधियों की जानकारी दी

इसके बाद आयाम एवं गतिविधि सत्र आयोजित हुआ, जिसमें केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य कुमारी तृप्ति सैनी ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के विभिन्न आयामों एवं उनके माध्यम से संचालित गतिविधियों की जानकारी कार्यकर्ताओं के समक्ष रखी। इसके उपरांत प्रांत संगठन मंत्री संजय कसवां ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की कार्य-पद्धति, आचार-पद्धति एवं संगठन की परंपराओं पर एक विस्तृत और प्रेरणादायी व्याख्यान दिया। इसके पश्चात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिला महेंद्रगढ़ के जिला संघचालक कैप्टन हंसराज ने पांच परिवर्तन विषय पर विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। अगले चरण में व्यावहारिक सत्र आयोजित किए गए, जिनमें यह बताया गया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद किस प्रकार परिसर में कार्य करती है तथा कार्यकर्ता विभिन्न माध्यमों से विद्यार्थियों तक संगठन के विचार कैसे पहुंचाते हैं।

सीएल स्कूल में हुई प्रश्नोत्तरी स्पर्धा

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

नारनौल। सीएल स्कूल में विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

सीएल पब्लिक स्कूल में महान गणितज्ञ श्रीनिवासरामानुजन के जन्मदिवस के अवसर पर गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें एक से आठवीं के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीएस यादव रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि सीएस यादव व संस्था के प्रबंधन निदेशक ने दीप प्रज्वलित कर की। प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों को चार हाउस सीवी रमन, एपीजे अब्दुल कलाम, आर्यभट्ट, आईसेक न्यूटन के अनुसार विभाजित किय गया। प्रतियोगिता में पांच राउंड निर्धारित किए गए। पांचों राउंडों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कक्षा छठी से आठवीं वर्ग में सीवी रमन हाउस ने प्रथम, आर्यभट्ट हाउस ने द्वितीय और आईसेक न्यूटन हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

सीवी रमन हाउस रहा प्रथम

इसी प्रकार कक्षा तीन से पांचवीं वर्ग में सीवी रमन हाउस ने प्रथम व आर्यभट्ट हाउस ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा एक से दो वर्ग में आर्यभट्ट हाउस ने प्रथम व सीवी रमन हाउस ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। यह कार्यक्रम मुख्याध्यापिका मोनिका कौशल की देखरेख में हुआ। अंत में स्कूल प्राचार्य रविन्द्र सिंह ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी।

कृषि क्षेत्र को दिन में बिजली देने की मांग

नारनौल। बहुजन समाज पार्टी के नेता प्रमुख समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट ने हरियाणा सरकार से कृषि क्षेत्र को दिन में बिजली देने की मांग की है। अतरलाल ने गांव कपूरी व रामबास में किसानों की समस्याएं सुनते हुए उक्त मांग उठाई। किसानों ने बताया क्षेत्र में लगातार पड़ रही कड़ाके की ठंड व धुंध कोहरे के कारण कृषि कार्य प्रभावित हो रहा है। रात में फव्वारों की लाइनें बदलने में किसानों को भयंकर परेशानी उठानी पड़ रही है। किसान बीमार हो रहे हैं। इस दौरान किसानों ने अघोषित बिजली कटौती के कारण किसानों को पूरी बिजली न मिलने की भी शिकायत की। उन्होंने कहा कि सरकार ने आठ घंटे कृषि क्षेत्र को बिजली देने का शेड्यूल घोषित किया हुआ है, लेकिन अघोषित बिजली कटौती के कारण आधी अधूरी बिजली मिल रही है।

आरपीएस की महक ने एलेट में ऑल इंडिया कैटेगरी रैंक तीन प्राप्त की

महेंद्रगढ़। नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली द्वारा आयोजित ऑल इंडिया लॉ एंट्रेंस टेस्ट में अपनी कैटेगरी में आरपीएस विद्यालय कि महक ने ऑल इंडिया रैंक तीन तथा स्पन्दन ने 27वीं रैंक प्राप्त कर अपने विद्यालय व जिले का नाम रोशन किया है। ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजी. मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुनाल राव व प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ग्रुप सीईओ इंजी. मनीष राव ने कहा कि हाल ही में घोषित क्लैट में भी कृष्ण ने ऑल इन्डिया कैटेगरी रैंक वन प्राप्त की थी तथा 91 विद्यार्थियों ने इस परीक्षा में अच्छी रैंक प्राप्त कर सफलता पाई है। अब ऑल इंडिया लॉ एंट्रेंस टेस्ट में भी झोझू कला के प्रीतम सिंह व सरोज की पुत्री महक ने ऑल इन्डिया कैटेगरी रैंक तीन व सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी के डॉ. आरती यादव व डॉ. रूपेश यादव की पुत्री स्पन्दन ने 27वीं रैंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि आरपीएस अपने विद्यार्थियों को उनकी रुचि के अनुसार अभिभावकों के सपनों को साकार रूप देने की दिशा में सकारात्मक रूप से आगे बढ़ रहा है। डीन एलएन गौड़, उपप्राचार्य दिनेश कुमार, विंग हैड देवेन्द्र पुनिया, जिले सिंह, अमित कुमार, साक्षी मलिक, अनिता अहलावत आदि मौजूद थे।

श्रीनिवास रामानुजन की जयंती मनाई

हरिभूमि न्यूज ⏭नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। प्रतियोगिता में सवालों के जवाब देते विद्यार्थी। *फोटो: हरिभूमि*

द गुरुकुलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में राष्ट्रीय गणित दिवस पर तार्किक एवं बौद्धिक प्रतियोगिता निदेशक राजपाल यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें संस्था के चेयरमैन अभय सिंह व वाइस चेयरमैन धर्मबीर सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने क्विज में विजेता रहे प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए। प्राचार्या निर्मला देवी ने बताया कि सामाजिक और राष्ट्र के विकास में गणित की बड़ी भूमिका होती है। गणित पर आधारित आर्थिक नीतियों से सरकार की विभिन्न योजनाएं क्रियावित होती हैं। 22 दिसंबर को श्रीनिवास रामानुजन ने गणित विषय तैयार किया था। जिससे युवाओं को दैनिक दिनचर्या और व्यवहारिक नीतियों को विकसित करने में मदद मिलने लगी है। इसके बाद तार्किक और बौद्धिक विकास पर आधारित क्विज स्पर्धा कराई गई। जिसमें 10वीं व 12वीं कक्षा के 58 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया। जिन्हें तीन हाउसों में विभाजित करके स्पर्धा आरंभ की। उदयगिरी हाउस ने 50 में से 49 सवालों का उत्तर देकर प्रथम स्थान अर्जित किया। नीलगिरी हाउस ने 42 अंक लेकर दूसरा स्थान अर्जित किया। विजेता प्रतिभागियों को संस्था के चेयरमैन अभय सिंह ने प्रशंसा पत्र देकर प्रोत्साहित किया।

जेजेपी का युवा योद्धा सम्मेलन 28 को अटेली में

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

नारनौल। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते जिला प्रधान राजकुमार खातोद। *फोटो: हरिभूमि*

आगामी 28 दिसंबर को जननायक जनता पार्टी की ओर से आयोजित होने वाले जिला स्तरीय युवा योद्धा सम्मेलन की तैयारियों को लेकर सोमवार को पार्टी कार्यालय में युवा कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता युवा जिला प्रभारी विष्णु डाबड़ सरपंच ने की। इस अवसर पर युवा जिला प्रधान सचिन चौधरी व जिला प्रधान राजकुमार खातोद विशेष रूप से मौजूद रहे। जिला प्रवक्ता विजय छिलरो ने बताया कि बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि युवा योद्धा सम्मेलन अटेली हलके के गांव दौंगड़ा अहीर चौक पर दोपहर 12 बजे आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन के आयोजक विष्णु डाबड़ सरपंच ने कहा कि यह सम्मेलन हरियाणा के इतिहास में एक अलग पहचान बनाएगा। जिसमें जिले से हजारों युवा भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में हरियाणवी संस्कृति की विशेष झलक देखने को मिलेगी तथा पार्टी नेताओं का भव्य व पारंपरिक तरीके से स्वागत किया जाएगा। कार्यक्रम में हरियाणा के प्रसिद्ध गायक राहुल फाजिलपुरिया व दिलेर खरकिया अपनी प्रस्तुतियों से युवाओं में जोश भरेंगे।

ये रहे मौजूद

बैठक में विजयपाल अधिवक्ता, सिकंदर गहली, अजय चौधरी अधिवक्ता, ऋतुराज चौधरी, राजेश रावत, अनमोल गुप्ता, शेरू मेहरमपुर, योगी आदलपुर, हैप्पी तंवर, अनिल अदलपुर, अभिषेक शर्मा, बजरंग गुर्जर, बलवान ग्रेवाल, जयवीर फौजी, कुणाल शुक्ला, संदीप भाखर, दीनू पटीकारा, हरचंद तोबड़ा, अशोक सैनी, सुरेंद्र पटीकारा, बेदू राता, दिनेश राजपूत, प्रमोद ताखर, महेंद्र सारदा खन्ना, वीरेंद्र घटाशेर, दीपक यादव, प्रवीन योगी, केशव वर्मा, दिनेश राता, सुनील जेवली, बनवारी फौजी आदि उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण स्कूल भुंगारका में गणित दिवस पर प्रतियोगिता आयोजित

नारनौल। गणित दिवस पर कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थी। *फोटो: हरिभूमि*

नारनौल। श्रीकृष्ण सीनियर सेकेण्डरी स्कूल भुंगारका में कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए इंटर हाउस गणित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय प्राचार्य वेदपाल यादव ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस प्रतियोगिता में फाल्कन, ईगल, कैस्ट्रल व हॉक हाउसों ने एक टीम के रूप में भाग लेकर अपने अपने हाउस का नेतृत्व किया। प्रतियोगिता में ईगल व फाल्कन हाउस ने 50 प्वाइंट लेकर संयुक्त रूप से प्रथम स्थान हासिल किया। कैस्ट्रल हाउस ने 40 प्वाइंट लेकर दूसरा स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य वेदपाल यादव ने बताया कि प्रतियोगिता के आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों में कौशल व वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न करना है। चेयरमैन एडवोकेट राजपाल यादव ने कहा कि विद्यार्थियों की रूचि बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतियोगिता का आयोजन किया है।

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता शुरू

नारनौल। खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

नारनौल। सिंघानिया विश्वविद्यालय में स्थित नर्मदा देवी सिंघानिया इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता शुभारंभ हो गया है। प्रतियोगिता का शुभारंभ ऑनलाइन माध्यम से विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट डॉ. मनोज कुमार द्वारा किया गया। इस दौरान रंग-बिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े गए, खेल मशाल प्रज्ज्वलित की गई तथा विभिन्न हाउस के विद्यार्थियों ने अनुशासित मार्च पास्ट कर अतिथियों को सलामी दी। कुलसचिव एमआई हाशमी ने कहा कि खेल प्रतियोगिता विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ टीमवर्क और आत्मविश्वास सिखाती हैं। प्रो-वाइस चांसलर डॉ. पवन त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षा के साथ खेलों का संतुलन विद्यार्थियों को शारीरिक व मानसिक रूप से सशक्त बनाता है। प्राचार्य डॉ. विजय कुमार ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य छात्रों में खेल भावना विकसित कर उन्हें स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली के लिए प्रेरित करना है। आयोजकों ने बताया कि यह इंटर-हाउस वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता तीन दिनों तक चलेगी, जिसमें 100 मीटर, 400 मीटर एवं 1600 मीटर दौड़, लॉन्ग जंप, हाई जंप, खो-खो, कबड्डी, वॉलीबॉल तथा बैडमिंटन जैसी विभिन्न खेल प्रतियोगिता बालक एवं बालिका वर्ग में आयोजित की जाएंगी।

कार्यक्रम में कक्षा छठी से 10वीं तक के विद्यार्थियों ने लिया भाग

- खेजड़ी वृक्ष के महत्व और पर्यावरण संरक्षण के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

श्रीकृष्णा स्कूल में खेजड़ी (जांटी) बचाओ जनचेतना यात्रा के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि वन विभाग के रिटायर्ड रेंज अधिकारी कमल सिंह व विशिष्ट अतिथि सीईओ कर्मवीर राव रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य रविप्रकाश ने की। पीआरओ सुधीर यादव ने बताया कि इस कार्यक्रम में कक्षा छठी से 10वीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को खेजड़ी वृक्ष के महत्व और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना रहा। मुख्यातिथि कमल सिंह ने कहा कि खेजड़ी (जांटी) वृक्ष इस क्षेत्र का वास्तविक कल्पवृक्ष है। यह वृक्ष भीषण गर्मी और लंबे सूखे की मार सहने के बावजूद सदैव हरा-भरा रहता है।

श्रीकृष्णा स्कूल में खेजड़ी बचाओ जनचेतना यात्रा का आयोजन

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान

सीईओ कर्मवीर राव ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए पर्यावरण का स्वच्छ होना अत्यंत आवश्यक है। अधिक से अधिक पौधारोपण कर तथा प्रदूषण को कम करके ही पर्यावरण को बचाया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। प्राचार्य रवि प्रकाश ने कहा कि वनों की लगातार कटाई के कारण धरती का तापमान बढ़ता जा रहा है। तापमान वृद्धि से ग्लेशियर पिघल रहे हैं, जिससे समुद्र का जलस्तर बढ़ने का खतरा उत्पन्न हो गया है।

विद्यार्थियों ने मैथ्स के अलग-अलग पक्ष को अपने डांस के माध्यम से सबके सामने प्रस्तुत किया

रामानुजन की याद में नेशनल मैथ दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

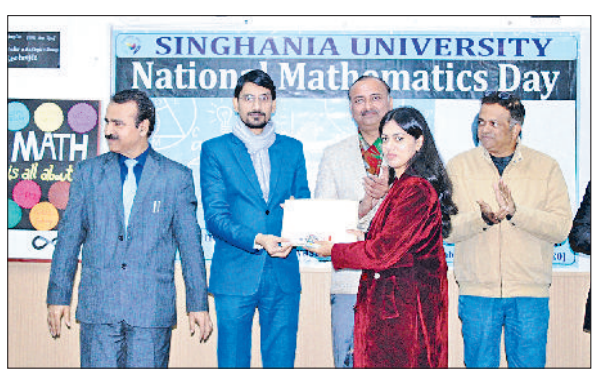

नारनौल। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय स्टाफ। *फोटो: हरिभूमि*

सिंघानिया विश्वविद्यालय में डिपार्टमेंट ऑफ मैथमेटिक्स की ओर से नेशनल मैथमेटिक्स डे मनाया गया। यह दिन गणित के महान विचारक श्रीनिवास रामानुजन के जन्मदिन को याद करते हुए मनाया जाता है।

कार्यक्रम का आरम्भ गणमान्य व्यक्तियों ने दीप प्रज्वलन कर किया। सिंघानिया विश्वविद्यालय के विभिन्न विभाग के विद्यार्थियों ने विद्यार्थी जीवन में मैथ्स के अलग अलग पक्ष को अपने डांस के माध्यम से सबके सामने प्रस्तुत किया। सिंघानिया विश्वविद्यालय के अकादमिक निदेशक डॉ. एसके दूबे ने कहा कि रामानुजन एक महान और प्रभावशाली व्यक्तित्व थे। उन्होंने लगभग 13-14 साल की कम उम्र में ही गणित के कई सूत्र दिए।

भारत में हमेशा से रही गणित की परम्परा

अपने व्यक्तव्य में आगे एसके दूबे कहते हैं कि हमारा दिन ही मैथ्स से शुरू होता है, भले ही हम इसके जानकार हों या नहीं हों। मैथ्स विभाग की अध्यक्ष मीनू नैन ने इस दिन के महत्व को सबके सामने रखा। उन्होंने श्रीनिवास रामानुजन के जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं को सबके सामने रखा। मैथ्स विभाग की अतिथि शिक्षक सिमरन ने अपने व्यक्तव्य में कहा कि भारत में गणित की परम्परा हमेशा से रही है। आर्यभट्ट से लेकर रामानुजन तक हम गणित में हमेशा आगे रहे। कार्यक्रम की अगली कड़ी में विद्यार्थियों ने मैथ्स से जुड़ी एक छोटी सी नाट्य प्रस्तुति दी। एमसीए के विद्यार्थी आशीष ने मैथ्स दिवस पर रामानुजन पर भाषण दिया। कैंपस के प्रो. वीसी डॉ. पवन त्रिपाठी ने कहा कि मैथ्स अक्सर लोगों को कठिन लगता, लेकिन हमें विषय से डरना नहीं सीखना है। रामानुजन कम संसाधनों व विषम आर्थिक स्थितियों के बाद भी हमें बहुत कुछ सीखा गए, हम सबको उनके व्यक्तित्व से प्रेरणा लेनी चाहिए। कुलसचिव एमआई हाशमी ने कहा कि यह वही विषय है जिसने मुझे फेलियर भी दिखाया है, लेकिन इससे प्रेरणा लेने की जरूरत है। यह ऐसा विषय है जिसके बिना कुछ भी संभव नहीं है, यह हमारे जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. अरविंद, डॉ. सुनील, डॉ. प्रभात, डॉ. शर्मिला ने मैथ्स से जुड़े अपने जीवन के अनुभवों को सभी से साझा किया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष मीनू नैन ने किया।

एमआर स्कूल में मनाया मैथमेटिक्स दिवस

नारनौल। अटेली स्थित एमआर पब्लिक स्कूल में मैथमेटिक्स दिवस मनाया गया। इसके उपलक्ष्य पर विद्यालय में मैथ्स प्रदर्शनी लगाई गई तथा उस महान विभूति श्री रामानुजन को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जिन्होंने न केवल देश में बल्कि अंतर राष्ट्रीय स्तर पर अपना व देश का नाम रोशन किया। इस प्रदर्शनी में कक्षा चार से पांच, छठी से आठवीं तथा नौवीं से 12वीं के विद्यार्थियों ने वर्गानुसार भाग लिया। कक्षा चार से पांच के ग्रुप में दिव्यांशी, चेष्टा, गार्गी, नव्या, पुरवंशी, महक, दिव्यांश, यश, प्रियांशु, नित्य, जय, निधि, कनिष्क, इशिका, हिमांशी, यश, दीप्ति, अनु, इशांत, नितिन, मानवी, नंदिनी, दक्ष, हिमांक, हार्दिक, नैतिक, उमेश, पलक, देव, गरिमा, महिमा, पीयूष, दीक्षित, मोनिका, वंश, कुणाल ने भाग लिया। कक्षा छठी से आठवीं में इशांत, यतिन, दीक्षा, दीप्ति, नव्या, आयुष, प्रिंस, अक्षय, दक्ष, लक्ष्य, प्रियांशु, कुणाल, आदित्य, नवनीत, यश गर्ग, नवनीत कुमार, यश यादव आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

मंजू चौहान ने की भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात

नारनौल। स्टेट अवार्डी वरिष्ठ समाजसेविका एवं भारतीय जनता पार्टी की सक्रिय कार्यकर्ता मंजू चौहान ने नई दिल्ली स्थित भाजपा के राष्ट्रीय कार्यालय में पार्टी के सबसे युवा राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष नियुक्त किए गए नितिन नबीन से शिष्टाचार भेंटकर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मंजू चौहान ने कहा कि नितिन नबीन का पार्टी के सबसे युवा राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष के रूप में चयन होना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भारतीय जनता पार्टी में आने वाला समय युवाओं का है। युवा नेतृत्व, नई सोच और ऊर्जा के साथ संगठन को और अधिक मजबूत करेगा।

बाबा लाल गिरी की स्मृति में मेला 1 जनवरी को

कनीना। राजकीय महाविद्यालय के समीप एक जनवरी को पौष मास की त्रयोदशी के दिन बाबा लाल गिरी महाराज की 50वीं स्मृति में आयोजित होने वाले धार्मिक मेले को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। मनोनीत पूर्व पार्षद मोहन सिंह ने बताया कि मेले में खेलकूद प्रतियोगिता, रात्रि जागरण व भंडारे का भी आयोजन किया जाएगा। 31 दिसंबर को रात्रि जागरण होगा। जिसमें तनु व मनु खरखौदा की टीम धार्मिक भजनों की प्रस्तुति देगी। एक जनवरी को भंडारे व खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन होगा।

युवा कांग्रेस की मासिक संगठनात्मक बैठक

नारनौल। पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में जिला अध्यक्ष युवा कांग्रेस पुनीत बुलान के नेतृत्व में युवा कांग्रेस की मासिक संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें प्रदेश युवा कांग्रेस की सह-प्रभारी प्रियंका व जिला इंचार्ज दिनेश पोसवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में विधायक पुत्र अभय सिंह, जिला महासचिव राजीव, पूजा वर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष अशोक गुर्जर, सुनील हरियाणा, रंगलाल, भगवान सहाय, कुलभूषण, राजप्रकाश सहित युवा कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हुए। संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने पर मंथन किया गया।

वित्तीय सहायता के तहत दी जा रही 51 हजार की राशि

महेंद्रगढ़। एसडीएम कनिका गोयल ने बताया कि सरकार ने हरियाणा राज्य के स्वतंत्रता सेनानियों अथवा आईएनए कर्मियों और उनकी विधवाओं को उनकी बेटियों और आश्रित बहनों की शादी के लिए वित्तीय सहायता योजना के तहत 51 हजार रुपये की राशि दी जाती है, जिसे संशोधित करके इसे उनकी पोतियों की शादी के लिए भी बढ़ा दिया है। एसडीएम ने बताया कि राज्य सरकार ने हरियाणा राज्य के स्वतंत्रता सेनानी/आईएनए कर्मी और उनकी विधवाओं की मृत्यु की स्थिति में, उनके बेटे या बहू भी स्वतंत्रता सेनानी की पोती होने के नाते बेटी की शादी के लिए वित्तीय सहायता दी जा रही है।

नांगल चौधरी विधानसभा के 22 पंचायतों में सचिवालय निर्माण स्वीकृत

विधायक मंजू चौधरी के सवाल पर कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा ने सदन में दी जानकारी, जल्द ही सचिवालय सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

विधायक मंजू चौधरी ने विधानसभा में पंचायतों के लिए स्वीकृत सचिवालय निर्माण का मुद्दा उठाया। उन्होंने सदन की मार्फत सरकार से स्वीकृत व निर्मित सचिवालयों की जानकारी मांगी। जिसके जबाब में कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि नांगल चौधरी हलके के 22 गांवों में जल्द ही सचिवालय सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

विधायक ने बताया कि गांवों के विकास और सरकार की योजनाओं को जन.जन तक पहुंचाने में पंचायतों की बड़ी भूमिका होती है। साथ ही गांव स्तर की तमाम समस्याएं पंचायतों की माध्यम से सरकार तक पहुंचती हैं। इसके बावजूद अधिकांश पंचायतों के पास कामकाज करने के लिए सुविधाजनक भवन उपलब्ध नहीं। सरपंचों को खुले आसमान नीचे या इधर उधर बैठक करके विकास कार्यों की रूपरेखा बनानी पड़ती है। इस दौरान ग्रामीणों को आमसभा की बैठक में हिस्सा लेना संभव नहीं हो पाता। शिकायतें मिलने पर बीते महीने विभागीय मंत्री को पंचायती प्रस्ताव देकर सचिवालय निर्माण कराने का आग्रह किया था। साथ ही सरकार ने पंचायतों के दफ्तरों में प्रशासनिक कामकाज कराने का आग्रह किया था। जिससे लोगों को एक ही छत नीचे सभी विभागों की सेवाएं मिल सके। सदन के माध्यम से कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा ने जानकारी देते हुए कहा कि नांगल चौधरी हलके के 27 पंचायतों में दफ्तरों का निर्माण पूरा हो चुका तथा इस्तेमाल के लिए तैयार हैं। 22 गांवों में ग्राम विकास केंद्रों की डिमांड मिली है। जिस पर विभागीय प्रक्रिया शुरू कर दी। विभिन्न औपचारिकताएं पूरी करने के बाद जल्द वंचित पंचायतों को भी सचिवालय की सुविधा उपलब्ध करवा दी जाएगी। ग्रामीण सचिवालयों में प्रशासनिक सेवाओं के लिए सीएम से मिलूंगी। विधायक मंजू चौधरी ने बताया कि ग्रामीण सचिवालयों में विभागीय कर्मचारी नियुक्त करने की योजना बनी थी, ताकि ग्रामीणों को रिहायसी प्रमाण पत्र, जमीनी नकल, आधार कार्ड व अन्य आवेदन करने के लिए शहर नहीं जाना पड़े, लेकिन अभी तक सरकार ने कर्मचारियों की नियुक्ति नहीं की। जिस कारण ग्रामीणों को अभी भी दफ्तरों में चक्कर काटने की समस्या बनी हुई है। उन्होंने बताया कि जल्द ही सीएम से मिलकर उन्हें स्थिति से अवगत कराया जाएगा।

नांगल चौधरी। सदन में हलके के गांवों में सेवा केंद्रों के निर्माण संबंधी जानकारी मांगती विधायक मंजू चौधरी। फोटो : हरिभूमि

ग्रामीण रूटों पर बसें नहीं चलने से दिक्कत

विधायक ने बताया कि पंचायतों में सचिवालयों का निर्माण जरूरी है, क्योंकि नांगल चौधरी के अधिकांश गांवों में परिवहन व्यवस्था नहीं। ग्रामीणों को अवैध वाहनों में बैठकर शहर तक आना पड़ता है। इस दौरान सड़क दुर्घटना का खतरा बना रहता है। सचिवालयों में विभागीय सुविधा उपलब्ध होने पर लोगों को समय व आर्थिक बचत हो सकेगी।

हरियाणा रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चे ने बैठक कर लिया निर्णय

18 को परिवहन मंत्री के आवास पर न्याय मार्च करेंगे रोडवेज कर्मी

सुरक्षित एवं सस्ती परिवहन सेवा का निजीकरण करके पूंजीपतियों के हवाले करने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चे के पूर्व में घोषित कार्यक्रम अनुसार सोमवार को नारनौल डिपो में गेट मीटिंग का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता हंसराज यादव व सुरेश कुमार ने की। संचालन जितेंद्र यादव ने किया। गेट मीटिंग में शामिल कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सांझा मोर्चे के वरिष्ठ सदस्य जयबीर घणघस, वीरेन्द्र सिगरोह, जगदीप लाठर, संजीव कुमार, अशोक खोखर व देवेन्द्र बिट्टू ने बताया कि प्रदेश सरकार छात्र–छात्राओं एवं आम व्यक्ति की पसंद सुरक्षित एवं सस्ती परिवहन सेवा का निजीकरण करके पूंजीपतियों के हवाले कर रही है। योजना की ठेके की इलेक्ट्रिक बसों व ठेके की किलोमीटर स्किम की बसों को रोडवेज विभाग में बिना मांग के लगातार शामिल किया जा रहा। योजना की ठेके की बसों से रोडवेज विभाग को घाटा हो रहा हैं। दूसरी ओर मंत्री एवं विधायक अपने–अपने विधानसभा के हर गांव में सरकारी बसों चलवाने के आदेश रोडवेज अधिकारियों दिए जा रहे हैं। जबकी रोडवेज विभाग के पास सभी गांवों में सरकारी बस भेजने के लिए पर्याप्त बसें ही नहीं हैं। आज रोडवेज विभाग में चालकों व परिचालकों की बहुत कमी है। बसों की मरमत करने के लिए कर्मचारी न के बराबर रहे गए हैं। चालक, परिचालकों की कमी एवं बसों मरमत समय पर न होने के कारण बसें खड़ी रहती हैं।

नारनौल। मीटिंग करते रोडवेज कर्मचारी नेता। फोटो : हरिभूमि

आंदोलन की चेतावनी

सरकार समय रहते बातचीत माध्यम से कर्मचारियों की समस्याओं को हल करे। अगर सरकार ने कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान नहीं किया तो प्रदेशभर के सभी डिपुओं के रोडवेज कर्मचारी आगामी 18 जनवरी को अम्बाला छावनी में परिवहन मंत्री के आवास पर न्याय मार्च निकालेंगे और बड़े आंदोलन की घोषणा की जाएगी।

कर्मचारियों की मुख्य मांगें

कर्मचारियों की मुख्य मांगों में धुन्ध, बारिश एवं कोरोना काल जैसे विपरीत समय में जोखिम भरी ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों को जोखिम भत्ता दिया जाए। ऑनलाइन तबादला नीति के स्थान विभाग एवं कर्मचारी हित की आपसी तबादला नीति को पुनः अपनाया जाए। चालकों परिचालक, लिपिक, स्टोर कीपर, कैशियर के पद का पे ग्रे बढ़ाया जाए। देय अर्जित अवकाश कटौती पत्र को वापिस लेकर पूर्व की तरह देय अर्जित अवकाश दिए जाएं। वर्ष 2002 के चालकों को नियुक्ति तिथि से पक्का किया जाए एवं पुरानी पेंशन योजना में शामिल किया जाए। सभी प्रकार की पूर्ण प्रकिया करने वाले 2016 के चालकों को पक्का किया जाए। अड्डा इंचार्ज का नया पद सृजित करके चालकों को प्रमोशन दी जाए। वंचित 2008 के परिचालकों को उपनिरीक्षक के पद पर प्रमोशन की जाए। कर्मशाला के 2018 के ग्रुप डी के कर्मचारियों को कॉमन कैडर से बाहर करके तकनीकी पदों पर प्रमोशन दी जाए। जूता भत्ता, शिक्षा भत्ता, वर्दी भत्ता महंगाई अनुसार बढ़ाया जाए। दादरी डिपो के 52 हेल्परों सहित सभी प्रकार के का कच्चे कर्मचारियों की पॉलिसी बनाकर पक्का किया जाए। कोरोना समय मे खड़ी ठेके की बसों को पेमेन्ट करने के आदेश रद्द करने पूरे मामले की जांच की जाए। बकाया बोनस का भुगतान किया जाए। सभी डिपो के सभी मार्गों का पुनः सर्वे करवाया जाए। चालक परिचालकों से आठ घण्टे की ड्यूटी ली जाए। आठ घण्टे की ड्यूटी से अधिक ड्यूटी का ओवर टाईम दिया जाए। अनेक मांगे हैं, जिन्हें सरकार जायज मानती हैं, परंतु लागू नहीं कर रही हैं।

महेंद्रगढ़। अधिकारियों की बैठक लेती एसडीएम। फोटो : हरिभूमि

गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर एसडीएम ने ली बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

एसडीएम कनिका गोयल (आईएएस) ने कहा कि इस बार स्थानीय खेल स्टेडियम में 77 वां गणतंत्र दिवस समारोह धूमधाम से मनाया जाएगा। गणतंत्र दिवस की तैयारियों के लिए जिस भी विभाग को जो दायित्व दिया जाए, उसे निर्धारित समय पर पूरा करना सुनिश्चित करें। एसडीएम कनिका गोयल ने सोमवार को लघु सचिवालय के कोर्ट रूम में 77वें गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन की तैयारियों बारे अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह को हर्ष और उल्लास के साथ मनाने के लिए सभी तैयारियां निर्धारित समय पर पूरी निष्ठा के साथ समयबद्ध पूरा करें। शहर के चौक, शहीद स्मारक व व महापुरुषों की प्रतिमाएं सजाई जाएं। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस के सफल आयोजन के लिए ग्रेड व सांस्कृतिक कार्यक्रम रिहर्सल समय से शुरू की जाए और समारोह स्थल पर सभी प्रतिभागी रिहर्सल जरूर करेंगे तथा फाइनल फुलड्रैस रिहर्सल 24 जनवरी को आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के अधिकारी आपस में तालमेल बनाकर राष्ट्रीय पर्व को धूमधाम से मनाने के लिए पूरी तैयारियां सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि गणतंत्र दिवस समारोह मॉडल संस्कृति राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में मनाया जाएगा। एसडीएम ने एक-एक कर विभिन्न विभागों के अधिकारियों को गणतंत्र दिवस समारोह के लिए जिम्मेवारियां सौंपी। उन्होंने कहा कि रिहर्सल और परेड के दौरान एंबुलेंस की व्यवस्था स्वास्थ्य विभाग द्वारा और साफ-सफाई की व्यवस्था नगर पालिका द्वारा की जाएगी।

नेतृत्व केवल पद से नहीं, बल्कि सोच और कर्म से जाता है पहचाना : डॉ. अभय सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

गौड़ परिषद के तत्वावधान में समाज की प्रतिभाओं के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व सिंचाई मंत्री डा. अभय सिंह यादव मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। इस दौरान विभिन्न राजनीतिक नियुक्तियां पाने वाले पदाधिकारियों के साथ समाज की एकता एवं अन्य कार्यों में सहयोग देने वालों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ब्राह्मण समाज के नवनियुक्त मार्केट कमेटी नांगल चौधरी के चेयरमैन रमाशंकर आंतरी तथा पैक्स के नव नियुक्त अध्यक्ष किशन गौड़ का अभिनंदन किया गया। इस सम्मान के लिए दोनों पदाधिकारियों ने समाज के साथ पूर्व मंत्री डॉ. अभयसिंह यादव का आभार प्रकट करते हुए कहा कि सभी वर्गों को साथ लेकर चलना सबसे बड़ा काम है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने समाज के गणमान्य लोगों के साथ पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि नेतृत्व केवल पद से नहीं, बल्कि सोच और कर्म से पहचाना जाता है। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज सदैव मार्गदर्शक रहा है और समाज को समरसता व विकास की दिशा देने में इसकी भूमिका अहम रही है। डॉ. अभय सिंह यादव ने दस वर्षों के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने योजनाओं को कागजों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि गांव-गांव जाकर समस्याओं को समझा और उनका समाधान कराया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राजनीति में झूठे वादों से नहीं, बल्कि ईमानदार प्रयासों से विश्वास बनता है। एसवाईएल के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि बिना झूठे वादों के भी क्षेत्र की जल समस्या का स्थायी समाधान निकाला गया, यही उनकी कार्यशैली की पहचान है। डॉ. यादव ने यह भी कहा कि सकारात्मक सोच ही विकास का आधार है, जबकि नकारात्मकता समाज को पीछे धकेलती है। कार्यक्रम में परिषद के पदाधिकारी अंजनी शास्त्री ने संगठन की कार्ययोजना प्रस्तुत की, जबकि डॉ. ललित मोहन जोशी ने शिक्षा, संस्कार, युवा सशक्तिकरण और सांस्कृतिक संरक्षण को परिषद का मुख्य उद्देश्य बताया।

नारनौल। डॉ अभय सिंह यादव का सम्मान करते ब्राह्मण समाज के लोग।

मौजूद रहे

इस मौके पर सभा अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा, शिवकुमार शर्मा, पूर्व पार्षद ताराचंद शर्मा, प्रमोद वत्स, अशोक शर्मा, विजय शर्मा मौजूद रहे।

मांगों को लेकर पंचायत कम्प्यूटर ऑपरेटर संघ ने बैठक कर जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

भारतीय मजदूर संघ से संबंधित हरियाणा पंचायत कम्प्यूटर ऑपरेटर संघ की जिला कार्यकारिणी की बैठक भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री हरकेश की अध्यक्षता में सुभाष पार्क में आयोजित की गई। पंचायत कंप्यूटर ऑपरेटर संघ के जिला अध्यक्ष देवेश ने बताया कि सरकार हरियाणा पंचायत कम्प्यूटर ऑपरेटरों की मांगों के समाधान को लेकर गंभीर नहीं है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गत 3 जनवरी 2025 में बहादुरगढ़ में सीपीएलओ कर्मचारियों की मांगों के समाधान को लेकर आश्वासन दिया था, लेकिन अभी तक मांगों के समाधान को लेकर कोई कदम नहीं उठाया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताह कैथल में भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री हवासिंह महला की अध्यक्षता में आयोजित प्रदेश स्तरीय बैठक में सरकार की अनदेखी पर रोष प्रकट किया गया था और निर्णय लिया गया कि इसको लेकर 24 दिसंबर को सभी जिला मुख्यालयों पर भारतीय मजदूर संघ के नेतृत्व में संगठन द्वारा उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। बैठक में भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री हरकेश ने बैठक में उपस्थित कर्मचारियों को आश्वस्त किया कि जायज मांगों का समाधान नहीं करती है तो आंदोलन करेंगे।

नारनौल। नेताजी सुभाष पार्क में बैठक करते कम्प्यूटर ऑपरेटर। फोटो : हरिभूमि

ये मौजूद रहे

बैठक में विपिन चंद्रपाल, इन्द्र सिंह, अशोक कुमार, विनीत कुमार, प्रदीप कुमार, नवनीत शर्मा, पुष्पा, ममता, नीरज, चन्द्रप्रकाश, सुनील कुमार, अभिषेक व विजपाल इत्यादि सीपीएलओ कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीसी ने समाधान शिविर के बाद बरामदे में बैठकर सुनीं शिकायतें

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने सोमवार को लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में आमजन की शिकायतें सुनी। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य लोगों की समस्याओं का मौके पर ही निपटारा करना है, ताकि उन्हें सरकारी दफ्तरों के बारण्बार चक्कर न काटने पड़ें। शिविर में जिले के विभिन्न हिस्सों से आए 93 नागरिकों ने अपनी समस्याएं प्रशासन के सामने रखी। समाधान शिविर के बाद भी उपायुक्त ने बरामदे में बैठकर नागरिकों की शिकायतों को सुना। उपायुक्त ने एक एक कर सभी फरियादियों की बात सुनी और संबंधित अधिकारियों को तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए। अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए डीसी ने कहा कि समाधान शिविर का अर्थ केवल शिकायत दर्ज करना नहीं, बल्कि उसका समाधान करना है। उन्होंने कहा कि जन सेवा ही सरकार व जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हर समस्या के समाधान के लिए एक समय सीमा तय की जाए। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि प्रार्थी को दोबारा उसी समस्या के लिए शिविर में न आना पड़े। उपायुक्त ने सुशासन सप्ताह पर विशेष जोर देते हुए कहा कि वर्तमान में सरकार के निर्देश अनुसार जिला प्रशासन सुशासन सप्ताह मना रहा है। इसके तहत सभी विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने कार्यालयों में विशेष डेस्क लगाकर लोगों को लाभान्वित करें। नागरिकों को सरकार की जनहितकारी योजनाओं व सेवाओं की जानकारी दी जा रही है।

नारनौल। शिविर के बाद बरामदे में बैठकर नागरिकों की शिकायतें सुनते डीसी कैप्टन मनोज कुमार। फोटो : हरिभूमि

कार्यक्रम | प्रदर्शनी में विशेषज्ञों ने सिखाए उन्नत बागवानी के गुर

बागवानी सेमिनार में दिखी भविष्य की स्मार्ट फार्मिंग

परंपरागत खेती छोड़ स्मार्ट बनने की राह पर चले किसान: डॉ. प्रेम कुमार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल।

गांव अमरपुर जोरासी में सोमवार का नजारा किसी उत्सव से कम नहीं था। एक तरफ रंग बिरंगे स्टॉल्स पर सजे उन्नत बीज और खाद किसानों को आकर्षित कर रहे थे। वहीं दूसरी ओर मिनी ड्रिप सिंचाई प्रणाली पर किसान विशेष रूचि ले रहे थे। मौका था जिला स्तरीय बागवानी सेमिनार का, जहां स्वयं सहायता समूहों, एफपीओ और खाद, बीज कंपनियों की प्रदर्शनी ने किसानों को तकनीक से रूबरू करवाया। हरियाणा सरकार के दिशा निर्देश अनुसार लगाई गई इस प्रदर्शनी में विशेषज्ञों ने ड्रिप सिंचाई और नई कृषि तकनीकों का सजीव प्रदर्शन किया। साथ ही किसानों की शंकाओं को दूर किया। प्रदर्शनी में प्रगतिशील किसानों और समूहों ने पारंपरिक खेती के घेरे से बाहर निकलकर स्मार्ट फार्मिंग की ओर आगे बढ़ाने की उत्सुकता दिखाई। कार्यक्रम में उपस्थित किसानों ने सरकार की बागवानी समर्थक नीतियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें खेती में नई तकनीक के साथ जुड़ने का मौका मिलेगा। मुख्य अतिथि उपनिदेशक उद्यान डॉ. पिंकी यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना और हॉर्टनेट पोर्टल जैसी डिजिटल व्यवस्थाओं ने किसानों का सीधा संपर्क सरकार से जोड़ दिया है।

नारनौल। सेमिनार में प्रदर्शनी का अवलोकन करते अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

प्रगतिशील किसानों ने बताई सफलता की कहानी

सेमिनार में गांव खायरा के प्रगतिशील किसान योगेंद्र ने मशरूम खेती से मिली अपनी सफलता की कहानी सुनाई। उनकी कहानी इस बात का प्रमाण है कि यदि सरकार का साथ और सही तकनीक का हाथ होए तो बंजर दिखती उम्मीदों में भी खुशहाली की फसल लहलहा सकती है। इसके अलावा योगेन्द्र, पवन व मुकेश अमरपुर जोरासी ने कीनू बागवानी के बारे में जानकारी दी।

बागवानी बीमा योजना से फसलों को मिला सुरक्षा कवच

जिला उद्यान अधिकारी डॉ. प्रेम कुमार ने किसानों को जोखिम से बचाने के लिए श्मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सब्जियों व मसालों के लिए 750 रुपये प्रति एकड़ प्रीमियम पर 30 हजार रुपये का बीमा तथा फलों की खेती के लिए 1000 रुपये प्रति एकड़ प्रीमियम पर 40 हजार रुपये का बीमा दिया जाता है।